

अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.



परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : मध्यमा प्रथम

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 20/11/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

- सूचनाएँ : (1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य ।
(2) शेष प्रश्नोंमेंसे कोई भी 4 प्रश्न हल करें ।
(3) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
(4) कुल पाँच प्रश्न हल करें ।

प्रश्न 1. पाठ्यक्रम के विस्तृत अध्ययन के रागों में से भूप (7+4+4=15)
अथवा बिहाग राग में बड़ाख्याल या मसीतखानी गत स्थायी और
अंतरा सहित दो-दो आलाप और दो-दो तानों के साथ
स्वरलिपीबद्ध करें।

प्रश्न 2. पाठ्यक्रम के साधारण अध्ययन के रागों में से (10 + 5 = 15)
तीनताल छोड़कर किसी अन्य ताल में किसी भी राग का छोटा ख्याल
या रजाखानी गत पलुस्कर लिपी में लिपीबद्ध करें।

प्रश्न 3. निम्नलिखित तालों की जानकारी देकर पुरा (5 + 5 + 5=15)
ठेका लिखें। एक की दुगुन, दुसरे की तिगुन और तिसरे की चौगुन
लिखें। (कोई भी तीन)
1) झुमरा 2) झपताल 3) चौताल 4) सुलताल 5) तिलवाड़ा

प्रश्न 4. निचे दिये गये रागों के जोड़ियों का विवेचन (5 + 5 + 5=15)
दो-दो आलाप और तानों के साथ कीजिये। (कोई भी तीन)
1) आसावरी - जौनपुरी
2) देस - तिलककामोद
3) हमीर - केदार
4) भैरव - कालिंगड़ा

प्रश्न 5. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखे। (5 + 5 + 5 = 15)
(कोई भी तीन)

- 1) संधीप्रकाश राग
- 2) तान कि व्याख्या देकर तानों के प्रकार लिखे।
- 3) वादि स्वर का राग के समय के संबंध
- 4) मेल या ठाठ की व्याख्या देकर प्रचलित दस ठाठों का विवेचन करे।

प्रश्न 6. अ) राग पहचानिये। (7 + 8 = 15)

- 1) सा^{सा} ध-ध सां-धपग-गपध-पग-प
- 2) मप गम^{मै} ध-ध प
- 3) ग म ग - नी ग सा, ध नी सा
- 4) मपध मप ग रे ऽ सा
- 5) मधनीसां नीध मध मग
- 6) ग म प नी सां, ध प म प
- 7) नी सा रे ग म प, पधपध मपमग, नीधप, मग रे सा

ब) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। (8)

- 1) ताल सुलताल काल ----- और ----- मात्रा पर है।
- 2) पं. वि.दि. पलुस्कर लेखन पद्धती में ताल काल ----- चिन्ह से दिखाया जाता है।
- 3) राग जौनपुरी का ठाठ ----- है।
- 4) भारतीय संगीत में वाद्यों के मुख्य ----- प्रकार है।
- 5) ताल झपताल में मात्रा खंड ----- इस प्रकार है।
- 6) राग कालिंगडा का समीपवर्ती राग ----- है।
- 7) उत्तर हिंदूस्थानी संगीत पद्धती में प्रचलित ----- ठाठ है।
- 8) कश्मीरी लोकवाद्य ----- इसको विश्वविख्यात करने का श्रेय पं. शिवकुमारजी शर्मा को जाता है।

प्रश्न 7. किसी एक की जीवनी लिखें। (15)

- 1) पं. शिवकुमार शर्मा
- 2) पं. बालकृष्णबुवा इंचलकरंजीकर